मातृभूमि ***मैथिलीशरण गुप्त***

(1) 'मातृभूमि' कविता की आस्वादन टिप्पणी लिखें।
(2) 'मातृभूमि' कविता पढ़नेवाली एक छात्र अपने मित्र से कविता के बारे में कहते हैं। वह वार्तालाप तैयार करें।
(3) निम्नलिखित कवितांश पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखे।

नीलांबर परिधान .....मूर्ति सर्वेश की।

(1) यह किस कविता का अंश हैं? किसने लिखा हैं?
(2) समानार्थी शब्द कविता से चुनकर लिखें।
आकाश, वस्त्र, करधनी, समुद्र, आभूषण, मेघ/बादल, पक्षी, आत्म समर्पण
(3) मातृभूमि का वस्त्र क्या है?
(समुद्र, नीलांबर, पक्षीगण, शेषफन)
(4) मातृभूमि का आभूषण क्या-क्या हैं?
(5) कवि ने अपनी मातृभूमि केलिए क्या करना चाहता हैं?
(6) कवि ने मातृभूमि का वर्णन किस प्रकार किया है?
(7) कवितांश का आस्वादन टिप्पणी लिखें।

जिसके रज .....गोद में?

(1) समानार्थी शब्द कविता से चुनकर लिखें।
रज, लुढ़कना, रेंगना
(2) मातृभूमि से कवि का बचपन कैसे जुड़ा हैं?
(3) 'धूल भरे हीरे' ऐसा किसे कहते हैं? क्यों?
(4) कवितांश का आस्वादन टिप्पणी लिखें।

हे मातृभूमि.....मिल जाएगी।

(1) समानार्थी शब्द कविता से चुनकर लिखें।
निरखना, हर्ष, घुलना,
(2) 'तेरा प्रत्युपकार कभी क्या हमसे होगा'- कवि ऐसा क्यों सोचता हैं?

****

DO NOT COPY